मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 23 जनवरी 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	23-01-14	24-01-14	25-01-15	26-01-15	27-01-15
वर्षा (मि.मी.)	1	1	3	2	1
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	23	23	23	22	22
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	13	13	13	13	12
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	4	6	5	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	86	88	93	90	87
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	48	53	58	52	49
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	12	8	10	13
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	दक्षिण	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

किसान भाई वातावरण में आर्द्रता एवं वर्षा के मध्यनजर पौध संरक्षण रसायनों का छिड़काव मौसम के खुलने के बाद ही करें।

मौसम की ऐसी परिस्थिति में सरसों में मोयला कीट का प्रकोप बढ़ सकता है इसके नियत्रंण हेतु फास्फोमीडोन 85 डब्लू.सी. की 250 मिली. या मैलाथियान 50 ई.सी. की 1. 25 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी मे घोलकर छिड़काव करें।

सरसां की फसल में झुलसा व तुलासिता रोगों के लक्षण दिखाई देते ही दो किलो मैन्कोजेब 75 डब्ल्यू.पी. या ढाई किलो जाईनेब 80 डब्ल्यू.पी. प्रति हैक्टर पानी में मिलाकर छिड़कें।

इस मौसम में जीरे की फसल में झुलसा रोग होने की सम्भावना अधिक होती है अतः रोग का प्रकोप होने पर मैन्कोजेब या जाइनेब 2 ग्राम दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

जीरे की फसल में चैपा कीट के नियत्रंण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की 0.5 लीटर या मैलाथियान 50 ई.सी. एक लीटर मात्रा या एसीफेट की 750 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हैक्टर छिड़काव करें।

पशुओं को शीत लहर के प्रकोप से बचाने के लिए रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें। नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बोरी की झूल बनाकर ओढ़ावें। भोजन में चारे–बांटे की मात्रा बढ़ाएं व लवण–मिश्रण भी दें।